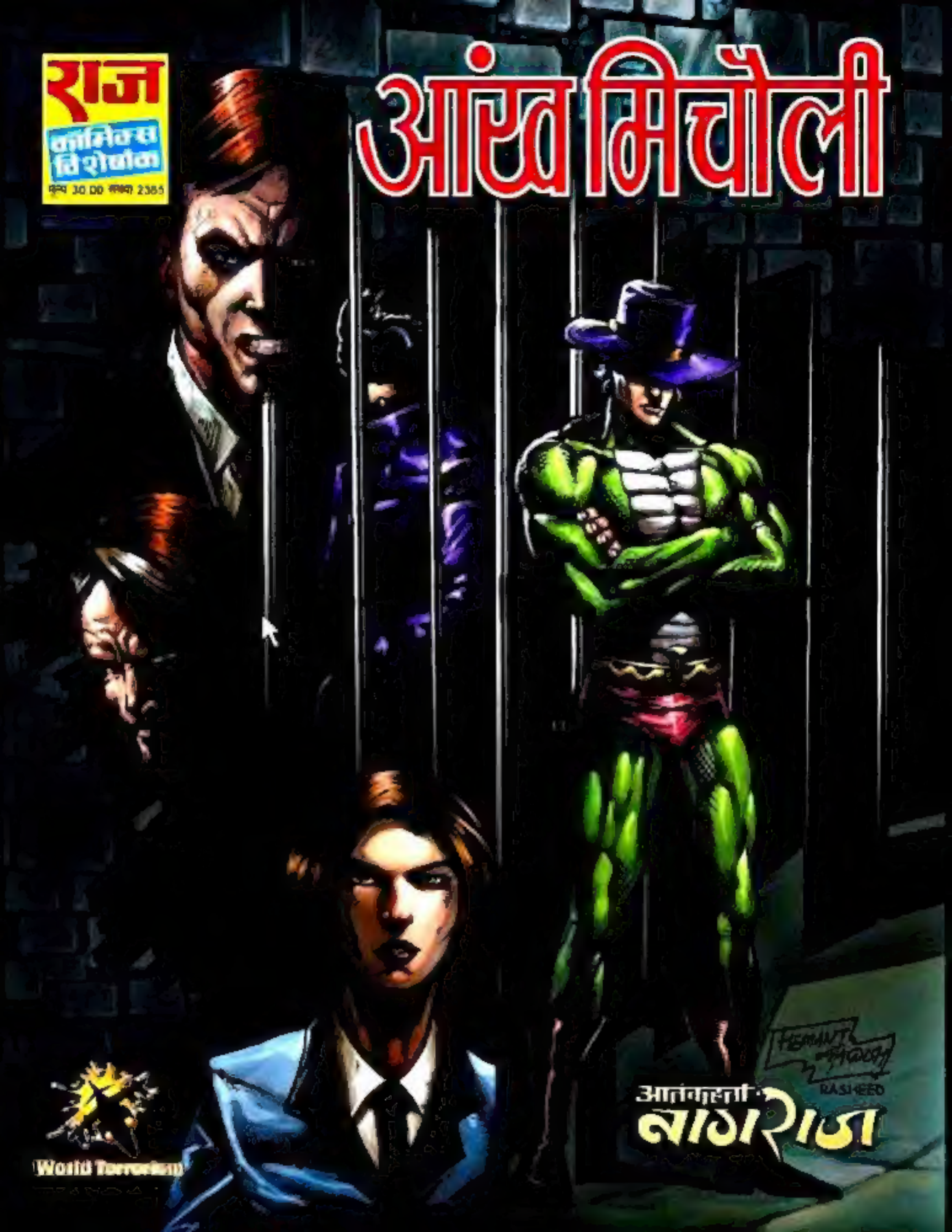


राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संपाद 2385

आंख मिचौली



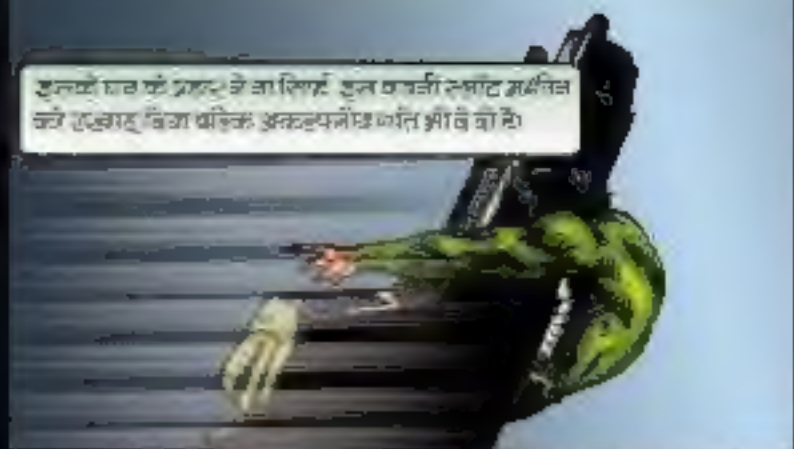

World Terrorism

आतंकवाद
नागरिका

इसकी छवि में ध्वनी की भी तरंगें
सकने वाली असीमित ताकत है।



इससे घर के प्रमुखों के लिए इस कंपनी से बहुत अधिक लाभ मिलेगा जो इससे बिना घर के अकल्पनीय लाभों से भी बड़े होंगे।



पैसे की होखत से टकराकर ये मुझे पानकर पड़ा हैगी।



कहानी कहानी के बिना कहानी के आपूर्ति माफ़ करना नहीं कर सकते हैं।
कहानी कहानी के बिना कहानी के आपूर्ति माफ़ करना नहीं कर सकते हैं।



कल्लोसम सं गुरुमै। लुख वै ह्योशक्त भर्षती।



रोजेक का रोबोट बनेकर कन्नड़र जिस के दुआरी कंसिने से बाहर भाग खड़े हुए थे-

रोजेक ने निर्मायक कार करने के लिए मरौंदा उठा लिया था

पुंटोबिने आज मेरा
मरौंदा विश्व जालेंकवास
के लिए कांटा बने माधराज
को मल्ल वेधा

विश्व
जालेंकवास माधराज
श्री मुखे टक्कर
नहीं दे पाया।

टक्कर
मुखे जरूर मिलेगी
रोजेक।





धा
ड
म



नामलाज
कच्चेला नहीं। फोड़ना
या काटना



एकलक लपों ने लगी लकव
पर किरार में देख कर बिगा



धा
ड
म



सहना!

रोजक कतालिवा। यह
रोज एक कलस कहला है।



सहनाक!!!

यह आज ही एक कलस
कहला चाहला है। मेरा कलस।

वह हलकी प्रिंकी का सबसे
कीमती कपड़ा साबित होना।

अपनी पुक ही आंख से उभर गले
लिफ्ट मेरी बर्बन ही किछ रही होनी।

हलका विशावा लटीक होना।

झ
6
ना
क

आज तेरे खून से
मेरे कुल्हाड़े की प्यास
बुझ जायगी।

आवा

माजरान का सिर
हटती की सबसे ऊंची
हजारन पर टांगना और
वे भला माजरान का
सिरा साफना।

पुलीबो हल
माजरान की भी मार
कर मुझे प्यास मजा
करे जावा।

वे तो मेरी
कुल्हाड़े की पुक
ही बार में मार भगा
साफना।



बाबासाहेब का
सिर उसको बाहर से
पुका कर दे...

—हेला
कुल्लाहा अभी बना
ही नहीं सेजेका

सटीक निशाने ही बार चुका जाये है।

थंड

सुन

क
थंड
च!

सब मिलकर
बार बाकी बाबासाहेब
को।

पुटोबिनो सच्चा गुआरी है बीर की मौत
के बाद कुलों से प्रज्जा करवा लाया है।



इसने सबको ज़िंदा कर दिया और भीड़ में चला गया है।



आप क्या सोचें
आपको
क्यों को
होगा कि
आपको
क्या होगा?

पुलिस वालीयों ने कहा कि
आपकी सुरक्षा नहीं है।
आपकी से भी कहा था कि
आपको सुरक्षा होनी चाहिए।



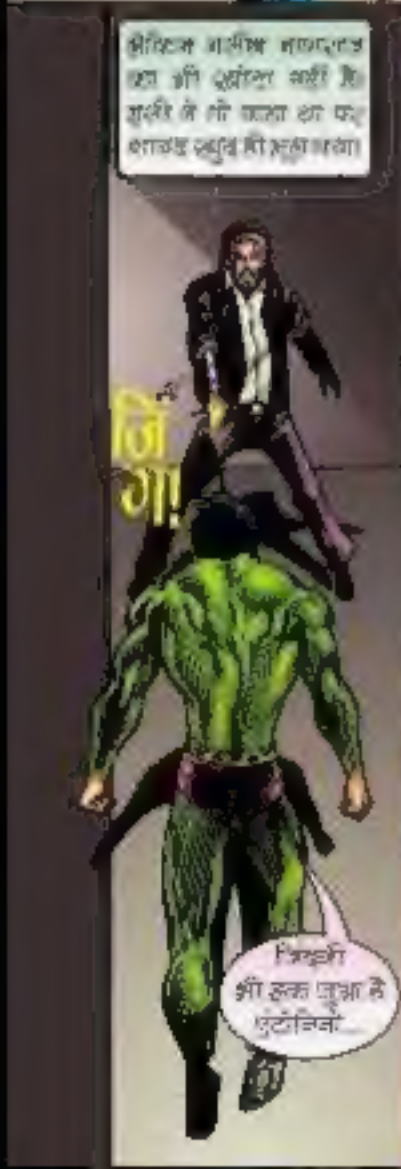
आप
क्या सोचें...

...भी
मिलती है।



रिश्ते
SSशSS

क्या बचने हो?

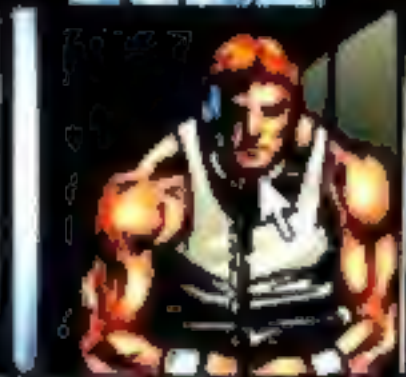


जिं
गा!

पुलिस
भी कहा था कि
आपकी सुरक्षा
होनी चाहिए...

...आयरन
शूट में बाबरराज
हिल ही नहीं
सकता।

खबर मिली है कि बाबरराज ने
कोसीको में आयरन कर्टे लोगों
को मार डाला है।



बाबरराज को
यही पार है।



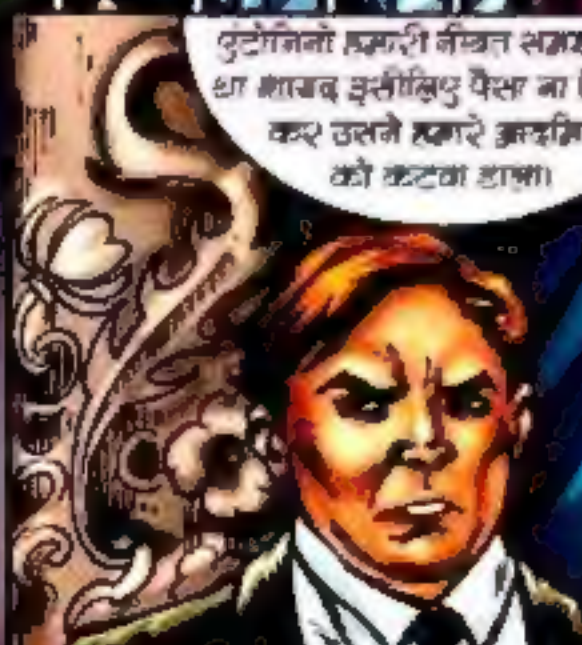
तुम क्या खीक खीक रहे हो बाबरराज,
वे तो मुझे नहीं पता। तुमारे किपु
कुछ और पुराना हतजाज
करवा लीजो।

कोको ही दुली कोको मेकरो कको, 1 डी चिचिन था।



दुटोनेको हमारो नीयत सज्जस भया पर अब उससे कोई खतरा
था भाबब इसीलिए पैसा ना भिजवा नहीं रहा क्योंकि बाबरराज
कर उसने हमारो ऊदमियों
को कटवा डाला।

के हलों को भी मार
अवा।



खतरा तो उसकी
तरफ से कैसे भी नहीं
था। खतरा हमें बाबरराज की
तरफ से है। हम सोच रहे थे
कि हम बाबरराज के साथ
खेल रहे हैं।

पर असल में खोल
तो बाबरराज हमारे साथ रहा है।
जेल में रहकर भी वो धीरे-धीरे
हम तक पहुंच रहा है।

कौनो रैजटो तो पहले
ही मारा गया। अब बाबरराज
ने पुंटोसिनो को मारा
हल्का है।

वो एक-एक
करके हमारे संगठन
के अहम लोगों को
मार रहा है।

हमें जेल प्रभारतन
व जेल पर हमला करना
होगा। ताकि मुकदमा
तेजी से आगे बढ़े।



बाबरराज जिलानी
जल्दी से लवटे, फांसी
पर चढ़ा दिया जाना
चाहिए।
हमें बाबरराज को
भोजन लेना।



जोर हुआ तो साथ ही प्रेमों को साथ
कर चुके कष्टों को भी तुल्य ठहरा
करना सोचा करना वक्त के दूसरे
मेहनत में हुआ वक्त में मेहनत
आपना किताब पढ़ा

अब मासू मनोंने
करी प्रेव में जाता है, तो
कितनी कही कथा मजाल, जो
प्रेव मनोंने कही प्रेव से
बकर आ पाया।

मे पुरा
कर्मकांडा कर रखा हू
अपने वे कर्मकी आश्रय।
मे। पुरा-को सुनवाइया
मे हींसी हीं।



मे पुरा
कर्मिहा कदर रमा ह
कमर के कमरुनी मायामा
मे। पुस्त-को सुनताइया
नो हौसी मी।

जब हिक्केल
उस की कलजोर हुआ
तब अपना कैलाश
दे दिया

11

जब हिक्केल उस की कलजोर हुआ तब अपना कैलाश दे दिया

11

अदि कस्ट में तुम
हुआ बजान दे हो कि कैंपो रैजले
एक समझदार डॉन व आनकरवादी
था और इलेक्ट्रिक बले तुमने बोली
मार की मो एक बस्टके में केल ही
स्वार्थ हो जायका

मारा में तुम
की कम भयान

आ कपल में किया मारा
अपका इलाका अपने ऊपर
कैसे से सकारा न?

नो फिर तुम जेल ले जाकर
आमा-आमा बंद करी।
असंभवताम इस काम का
तुमारे खिलाफ इन्तेजाम
कर सकता है।

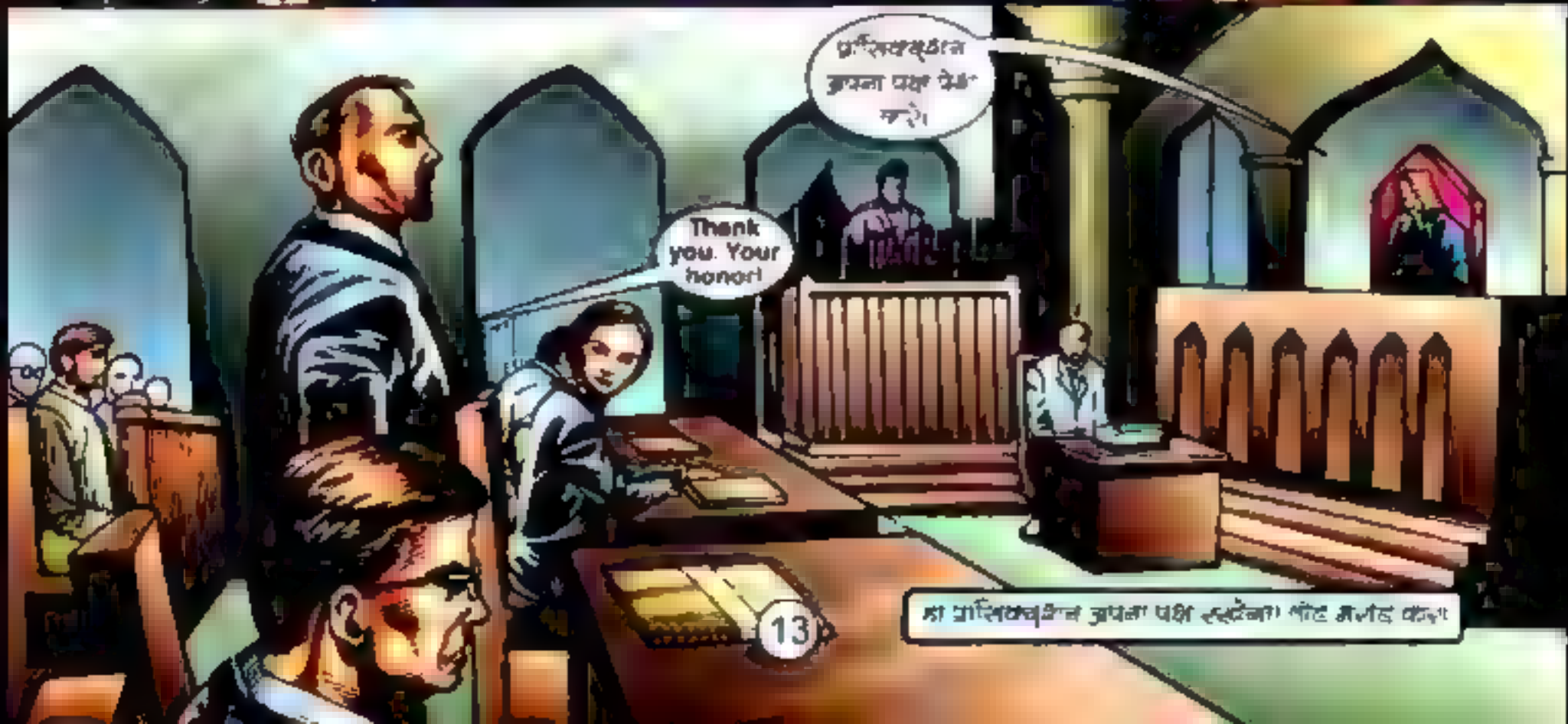
असंभवताम। तुम आनखान पदा
को बचाव दो।

अपने घर, पूरा जोर मारा
है है कि अमरी ही पेला न
तुम पर मरक का आरोप
लिख हो जाय। मारद
देनका ही मो जाय। तुम है.
जायु कल से कल मुश्किल
नो खड़ी बन कर।

मायन करी एक मायदर जल र।
चाकर मरी निकला है। यही मो
सकल का काम है

अन भयान है

ਨਾਨਕਸ਼ਾਹੀ ਸੰਤਾਂ ਦੀਆਂ ਭੀ ਤੇ ਭਾਵਨਾ



होना है। कानूनी की है। मैं इसे छोड़कर नहीं चल सकता। मैं इसे कानूनी मानता हूँ।

यह उक्तोक्तों के तहत व्यवहार से बच कर
अपने और दूसरे को बीच में रखकर चलना है।

Your honor!
जोशुआ ने कुछ कहना शुरू
करा है। उसे यह कहना है
आता है। उसे यह कहना है
है कि कानून की शक्ति का
व्यवहार है। कानून का
संरक्षण है।



जोशुआ ने
अपना नाम जोशुआ
कहना शुरू किया।
यह शक्ति का है।



Objection your honor!
जोशुआ ने
अपना नाम जोशुआ
कहना शुरू किया।
यह शक्ति का है।

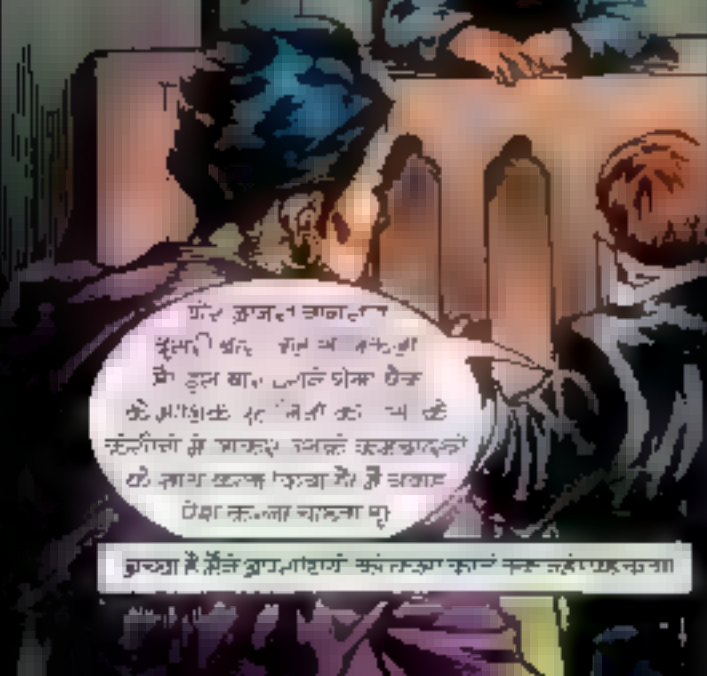
Objection your honor!
जोशुआ ने
अपना नाम जोशुआ
कहना शुरू किया।

Objection over ruled!

जोशुआ ने अपना नाम
जोशुआ कहा है।
यह शक्ति का है।

जोशुआ ने अपना नाम जोशुआ कहा है।

You may proceed!



जोशुआ ने अपना नाम
जोशुआ कहा है।
यह शक्ति का है।

जोशुआ ने अपना नाम जोशुआ कहा है।



Objection your honor!

जोशुआ ने
अपना नाम जोशुआ
कहना शुरू किया।
यह शक्ति का है।

जोशुआ ने अपना नाम जोशुआ कहा है।



मुझे साफ़िदा से आरुत त्रिचोली
खेलेने का पुक मीका और मिस भवा



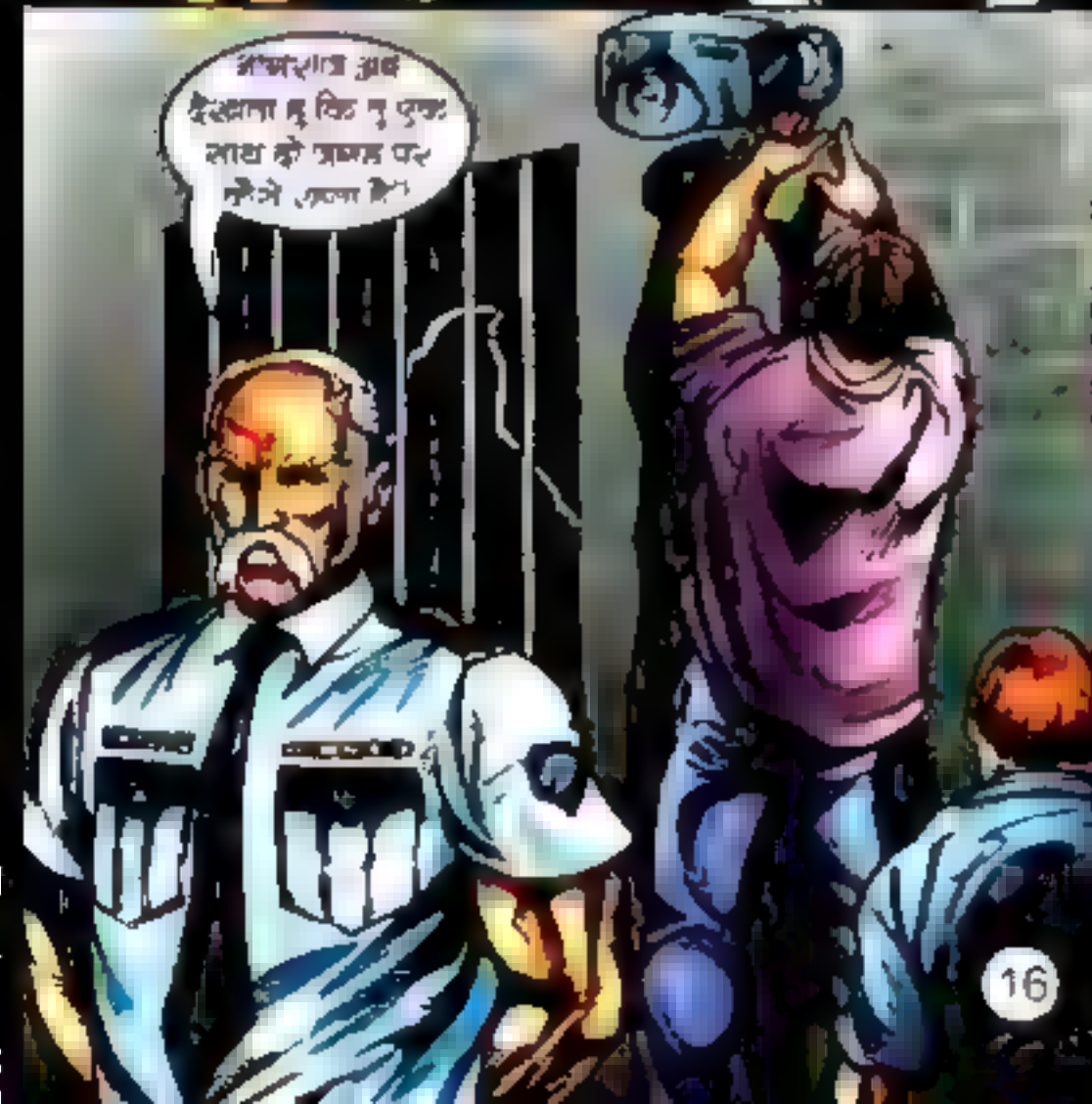
पुका की सजा में
माधराज जेल में था ता
कसीको में? इस बात
में लबाव है। माधराज को
विहिदो लकिमन में रहता तापु
में विहिदो विमलन पदे माधराज



आपको
वेना किसलिपु
विवा था?



वेना लल वर से जललन मरी मोका कि में
अकरी करे और अपने पद से नि मीका हा
हैदु। उसके पाल प्रेमर वेना
महाजन भव न था



माधराज अब
देखना है कि न पुका
साथ को प्रमन पर
मोने प्रमन है।



किमने श्री पदरे
मुका से जेलर विमलन
श्री लोम पमवा को आनकप्राद
पदी दीजके पदा श्री लोमरी
माधराज उन्हें निमनने
प्रमन प्रमनने

राज कॉमिक्स पेक्षा करतے हैं 20 का जादू!

राज 20

AMAZING FRIENDS OF NAGRAJ!

दुर्धम सेना पंचनाग

शूल धारिणी सीडांगी

नाग वीरांगना विसर्पा

महायोद्धा कालधूत

प्रथम सेट में चार सनसनीखेज कॉमिक्स!

जामाज्योति, अधुला श्रेष्ठ, भिखन जाभिनी, पंचनाग



उससे से पाउ लव
सब फिटो हुए हैं। उस ऊपर
बाबरबाब बाबर बाबरबाब तो उस
पाइडो फुटेज को आसपास पर नुन
अपना फैलना वे कला।

मुझे कलना
हे कि बाबरबाब उस
उप से फटी गली बाबर
मरी डा पापुना

तु कहीं बाबरनी
हे सिस्वी कि बाबरनी
पेला नै बाबरनी बाबरनी
नौ बाबरनी बाबरनी ना
बाबरनी

मे बाबरनी

उसे कलना
हे मे वो कलना
बाबरनी है

उप



हे आप बाबरनी
हे बाबरनी? जिससे आपका
बाबर फिटो बाबरनी बाबरनी
बाबरनी हे बाबरनी बाबरनी

मे बाबरनी
मुझे कलना बाबरनी
हे बाबरनी

बाबरनी
उसे फटी बाबरनी
उपसे हे बाबरनी
बाबरनी है

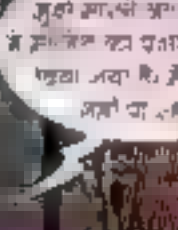
आ ना ना
नौ बाबरनी बाबरनी
बाबरनी

मन लेना उसे
बाबरनी को बाबरनी कलना से
मे कलना फिटो बाबरनी बाबरनी
मे बाबरनी तो बाबरनी कलना
बाबरनी है बाबरनी

आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में है

आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में है

आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में है

[illegible]

मानवता के नाम
 मुझे जानकी भूत हैं फाँसी
 में झूलने का पतागद बगल का
 पट्टा जवा है मैं किम्व रीति
 जहाँ का सही है

20

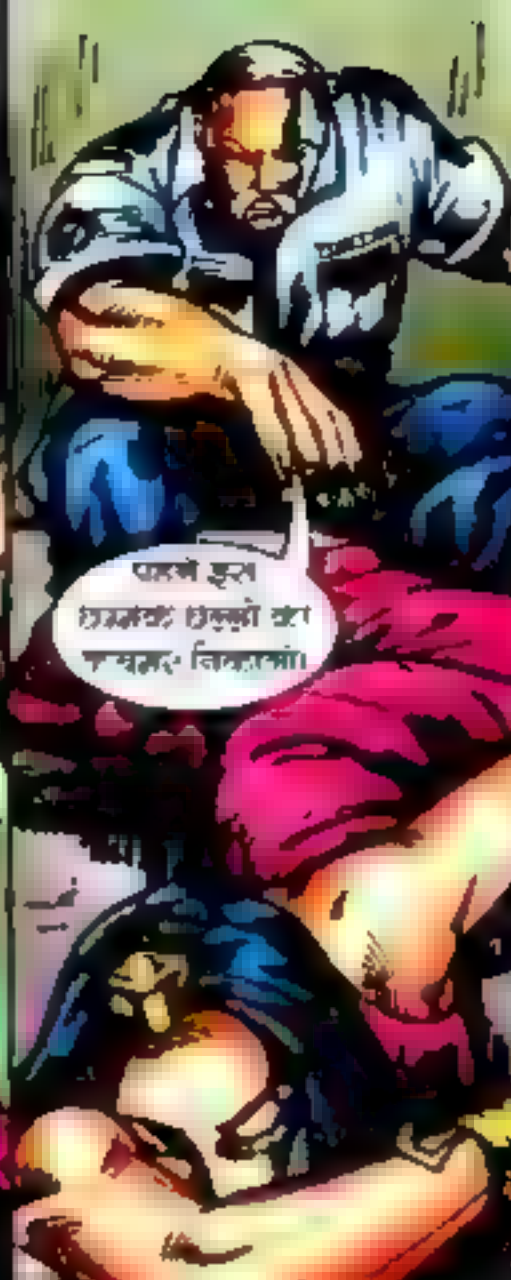
प्रेममय प्रत्येक कला प्रथा, कलाकारों में, यथेष्ट प्रभावित हो
 नए प्रयोग करने में होते हैं। स्वयंसात्ता के प्रेम साधक तभी
 कलाकारों के प्रेम प्रतीक के प्रभावों को प्रभावित हो।



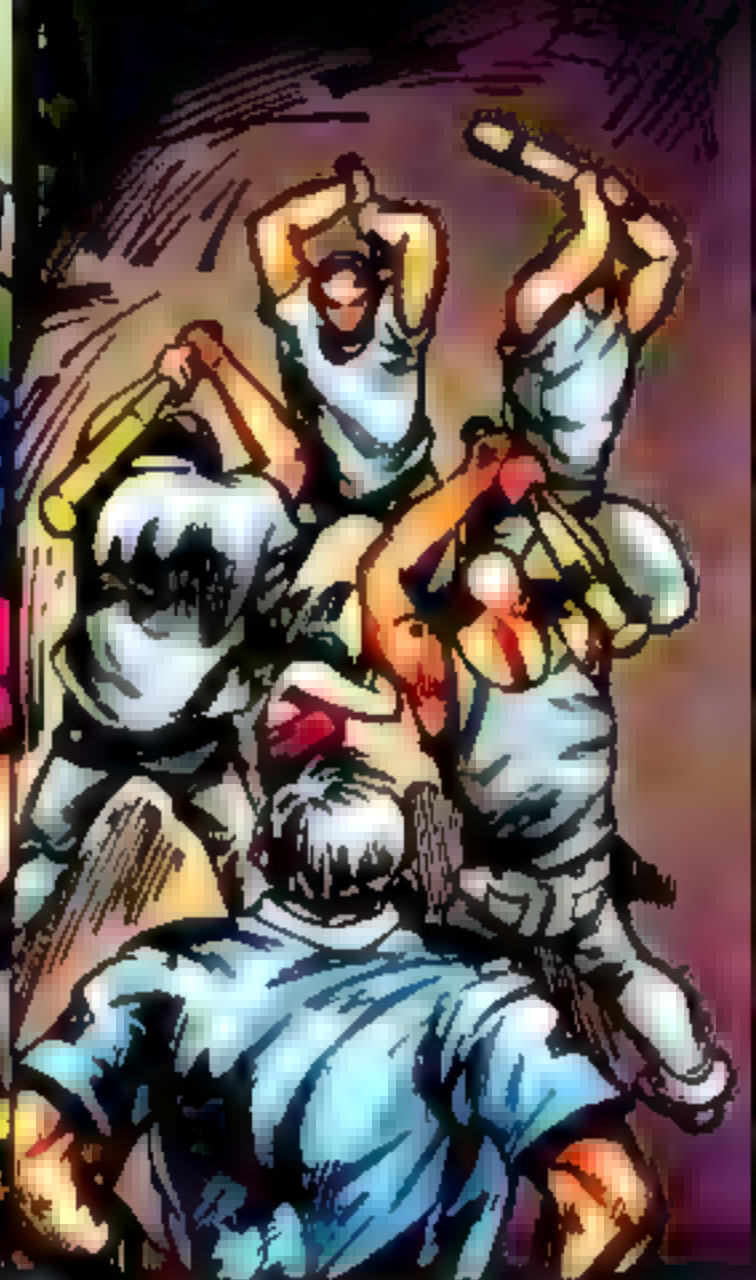
जोहर मल्लो ने
सड़ने के लिए नागराज के मुँह
तकड़ी को भेज दिया।

मल्लो

हाकिल मुहम्मदी
तो भेजा कैसे? वह कैसे
में आ कैसे गए?



एक ही
छात्रों छात्रों का
चमक चमक

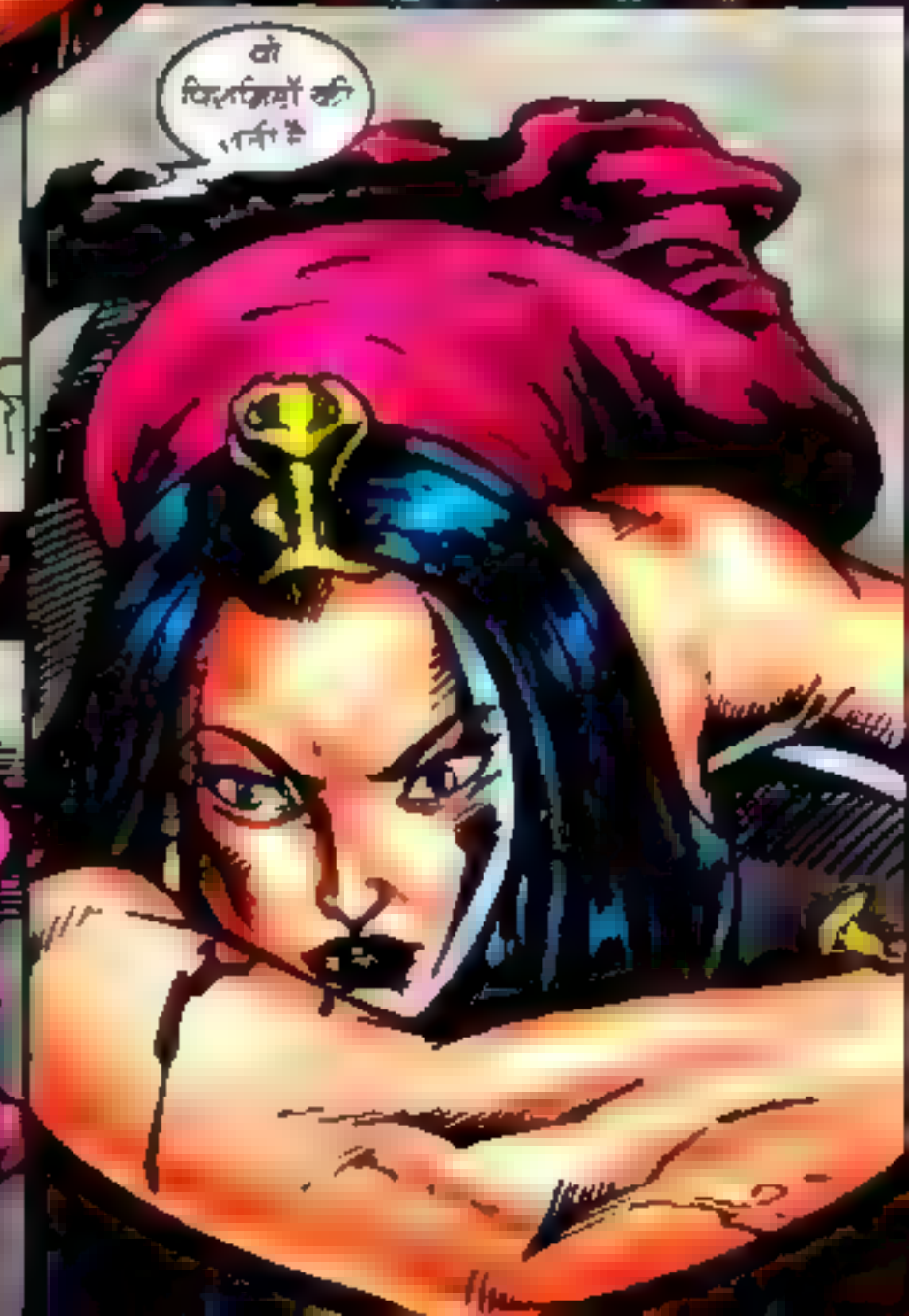
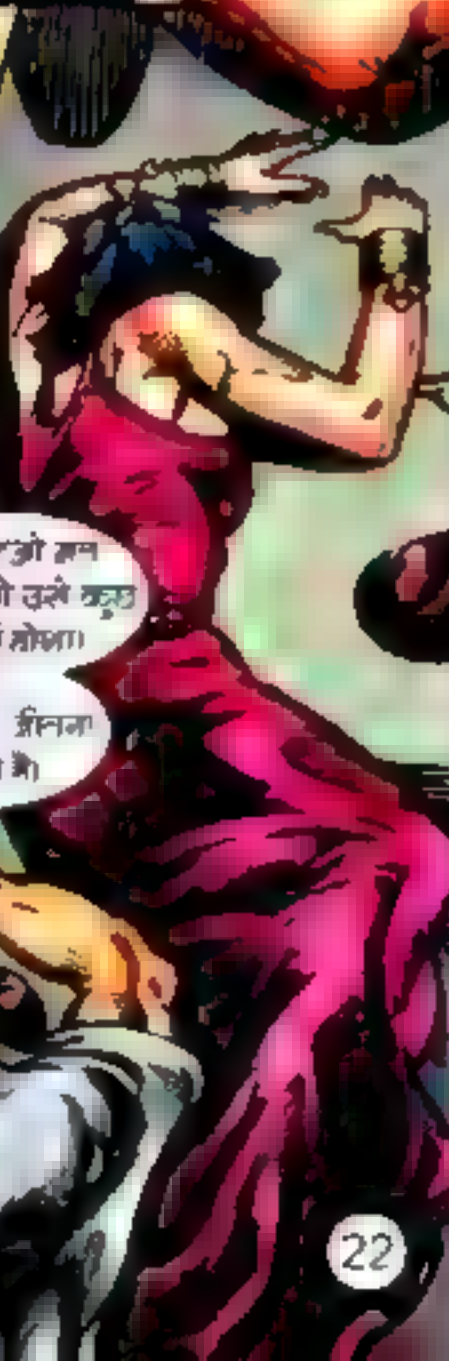


चौड़ा उठा कम्पन

एक ही
छात्रों छात्रों का
चमक चमक

एक ही
छात्रों छात्रों का
चमक चमक

एक ही
छात्रों छात्रों का
चमक चमक



वो
छात्रों का
चमक चमक



हमका छोटी
होती है छोटी कुली से
हम नहीं करनी

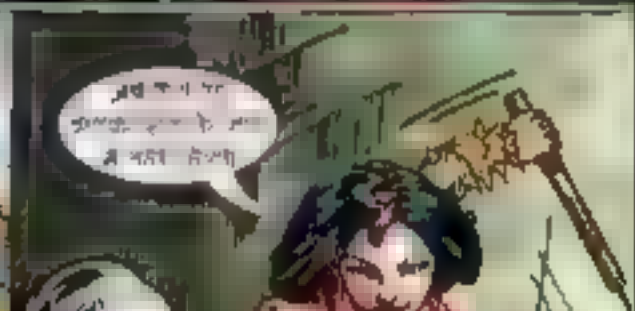
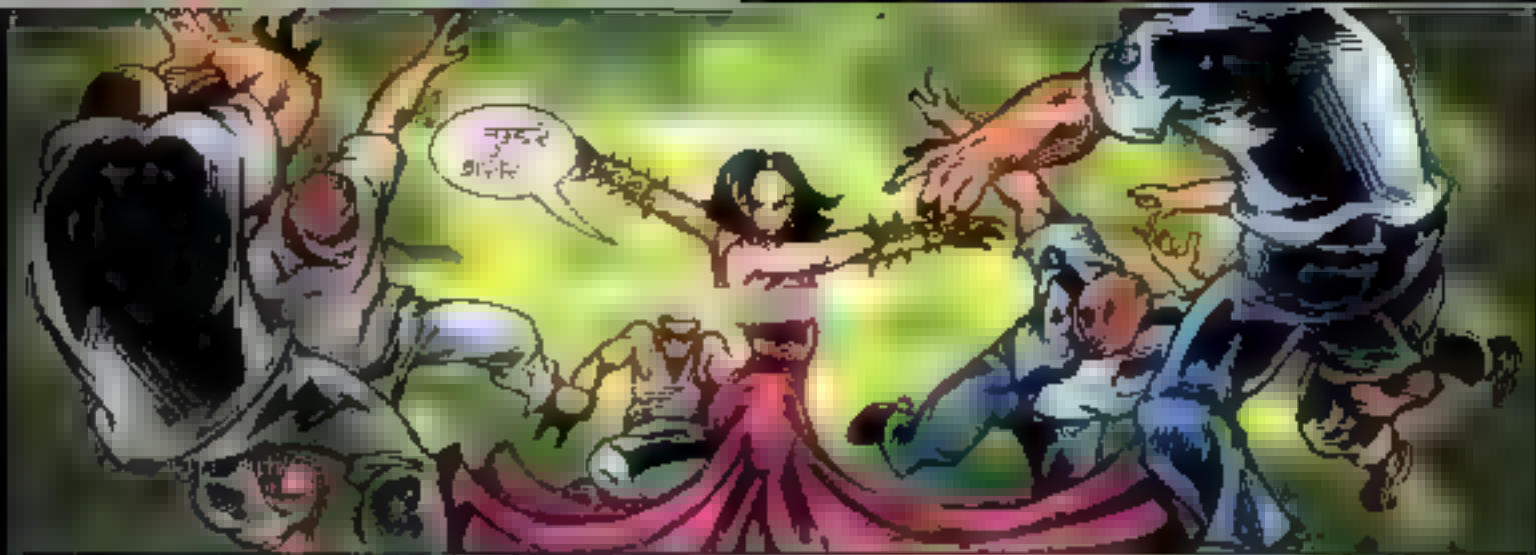
मिनो दे

ख
च
क
क

ख
च
क
क

अब हमारा
है कि जो
कामना निकलना
है या

हने है





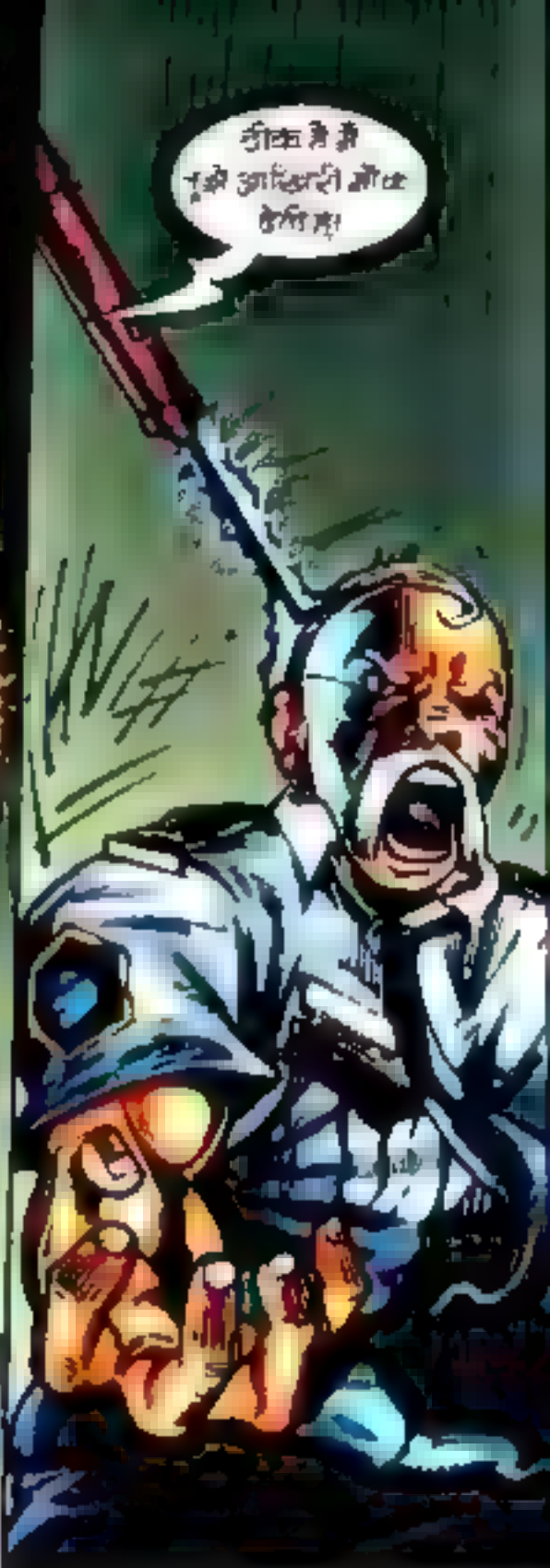
अब मौला जेलर
काटों से बंधा व तुम
या कट्टर का श्वाभ
सहका।

य ली
अधिक है



ना कल
11 ना बाजराज
ही जेलर

मूम माय
कल वो बडना का
मेरी जामा जम से है
बाजराज के मजमे
है लकी पदमा



दीक है है
तुमने आदिली मौक
हैसि है।



आक है जब तु माया ह
आपुना वो शस्त्र पर
आ मुकम मोला



वु आर कैकल
कमुलितो।

ऐक
मोडकी।



आक
तुम?



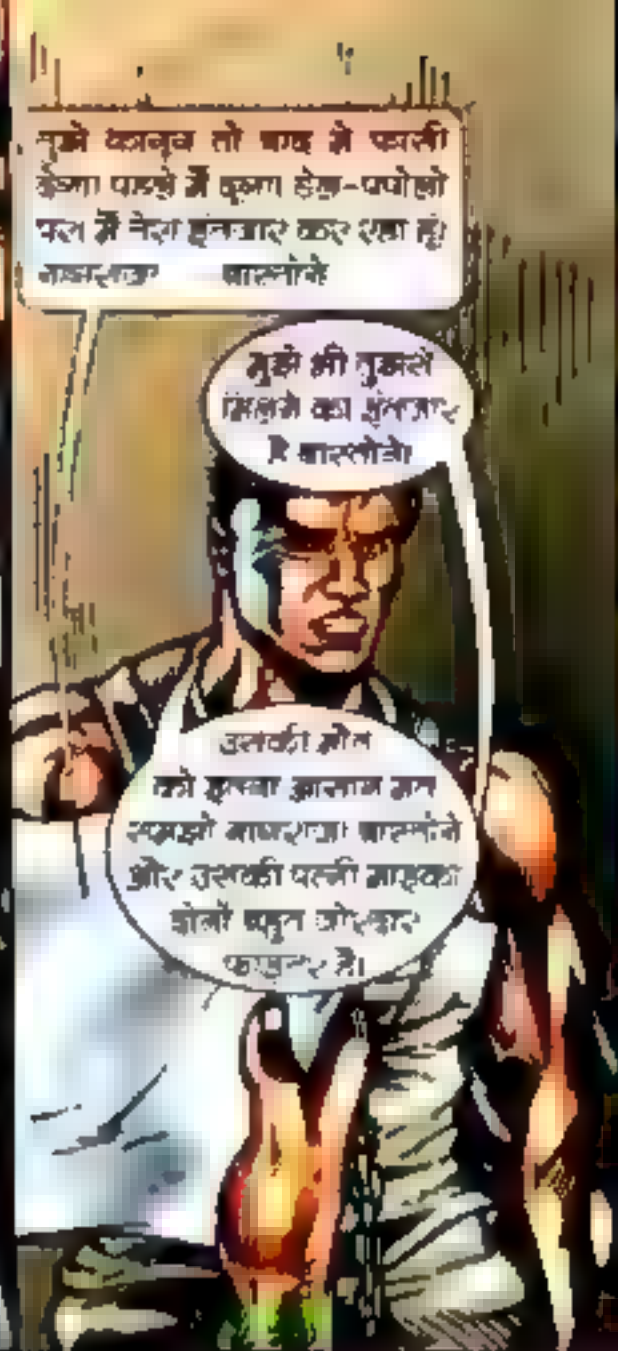
कलुत्रियों।
अपना नाम
कताओं।

तुम अपनी
सैल से बाहर
कैसे आ गए?
तो कैसे?



उसकी
चिंता तुम मन करो
और मेरी शक्ति को
मन करो.

तुम्हारे
किंगडम का
कल है।



मुझे भी तुमसे
मिलने का सुनार
है बास्कोने

उसकी शक्ति
को हमने आत्मज्ञान
समझी बास्कोने। बास्कोने
और उसकी पत्नी माइका
दोनों बहुत जोरदार
काबूतर हैं।



बास्कोने। माइका
की पॉवर किंग और
माइका किंग से आज तक
कोई रिश्ता नहीं बना।

और एक बार
बास्कोने की पॉवर
शिव में आ गए तो बाप
बसकर ही निकल
गा बाबा।



उपरोक्त चित्रों में बाबा बास्कोने की शक्ति का प्रयोग कर रहे हैं।

बास्कोने बाबा
सिंहबाबा की कल रही
हो कि आप जेल से बाहर-बाहर
बाहर आकर जेल को खराब
कर रहे हो आप ऐसा
क्यों कर रहे हो?

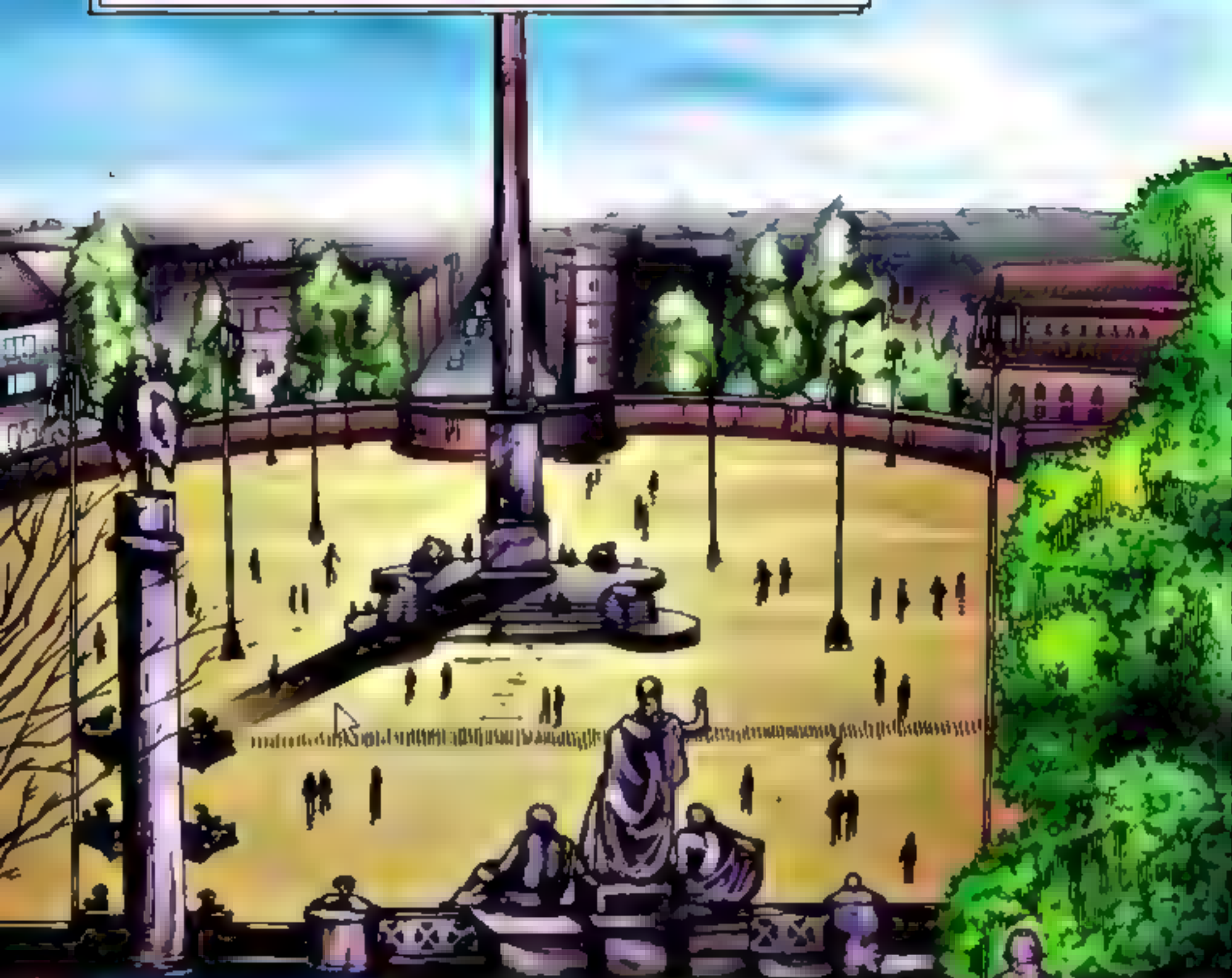


बाबा सिंहा मुझे
इस पपीली पर ले चलो।
वहाँ कहीं मेरी प्रतीक्षा
कर रहा है



आत्मकथाओं
की बाबों के जवाब तो
मुझे देने ही हैं बाबा।
सिंहा

"बाबरराजा ये है दुम पयामो की ओपेलेसक टावर। कजने में कहा 1928 में आस्टीरीफररी की बहूँ थी।"



असल कजने ११ बोर।



ਗੁਰਦਿਵਾਨਾਂ ਦੀ ਭਾਖਤੀ ਸਾਕਸ਼ੀ

ਗਡ ਗਡ ਗਡ ਗਡ

ਗਡ ਗਡ ਗਡ ਗਡ

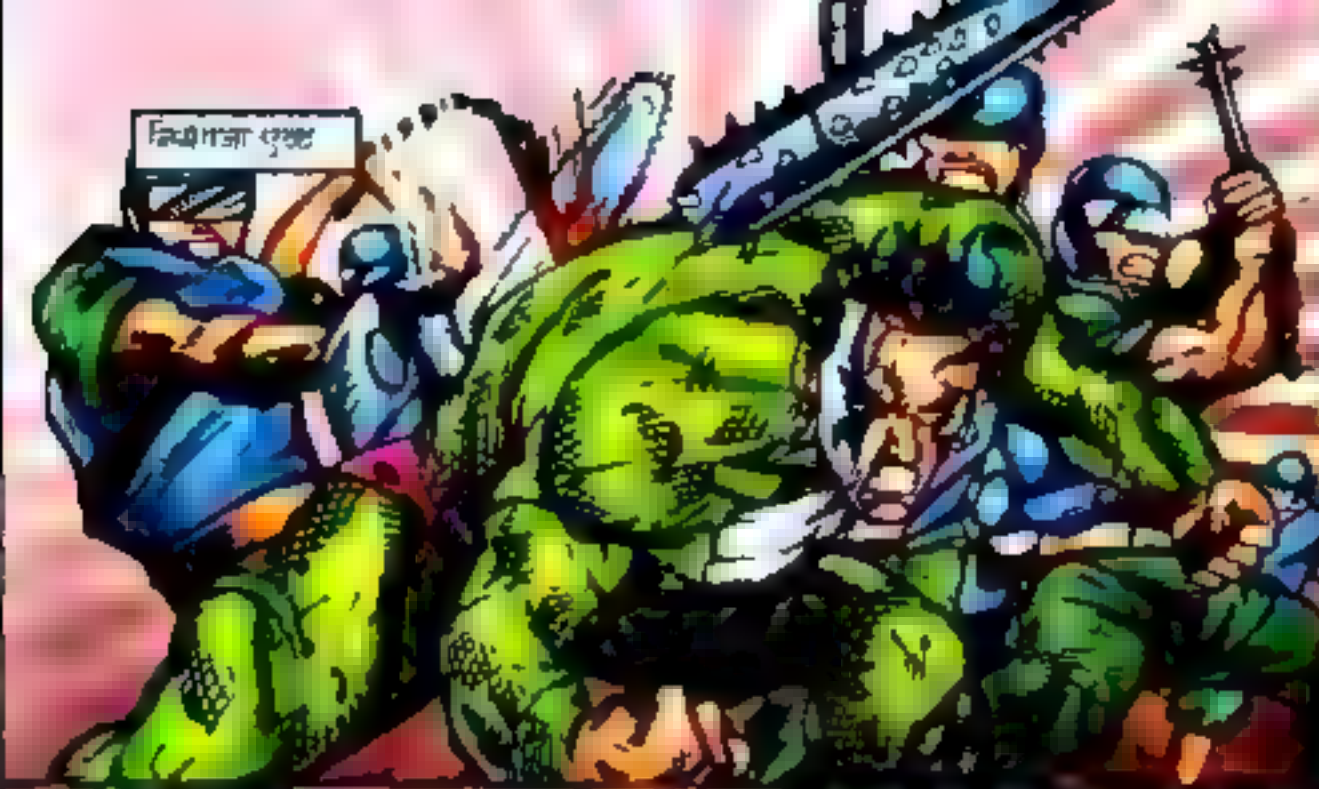
ਗਡ ਗਡ ਗਡ

ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਇਹ ਸੁਰਾਂਗਾਂ ਦੀ ਧੁਨ ਹੈ ਜੋ ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਭਰਮਾਂ ਦੀ
ਬਾਰਾਂਬਾਰ ਖੜ੍ਹਦੀ ਹੈ

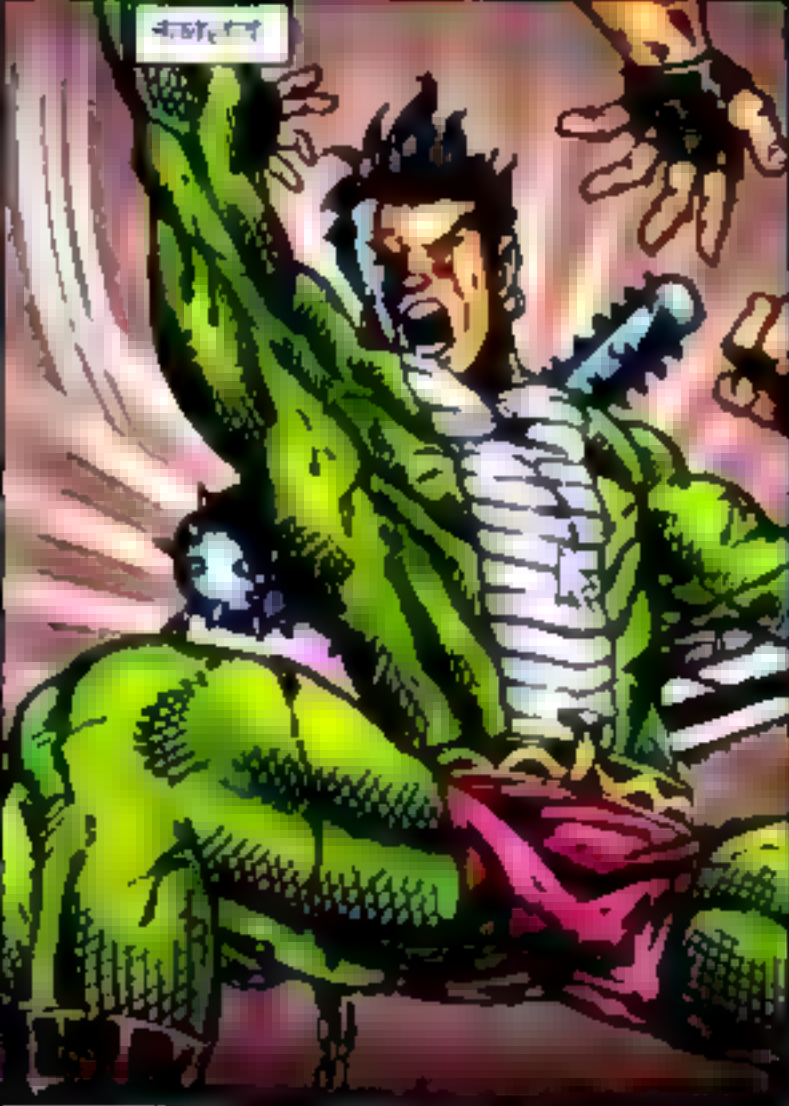
ਸਾਕਸ਼ੀ ਸੁਰਾਂਗ

ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ

ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ



विशालका दुष्ट



बहादुर



संजित बापलाल खान उनके भतीजे हैं




संजित बापलाल खान के भतीजे



संजित बापलाल खान के भतीजे हैं





सोचते हुए वो नोकलदार श्री इलेक्ट्रिक वा
बेहोश हो गए।

एक जल्दबाजी से
गलत दिशा में चला गया
वो भी ठीक ही दिशा में

इसने कहा कि

क्या था मेरी जो भी महामान में होता वो जा रहा था।

जैसे अपनी जान की रक्षा पर
वो जानक हो वह भूल गया है।

सोचते चले कि जो इलेक्ट्रिक वा, वही जो नो

क्या था मेरी जाहलान

ऐसा कब रहा है जैसे सारी आर्थीरिक शक्ति वृत्त की धड़ है।

शुक्रान भावी हो रही है।



आन्तर्गत अन्तर्गत हुआ हुआ रहा है।



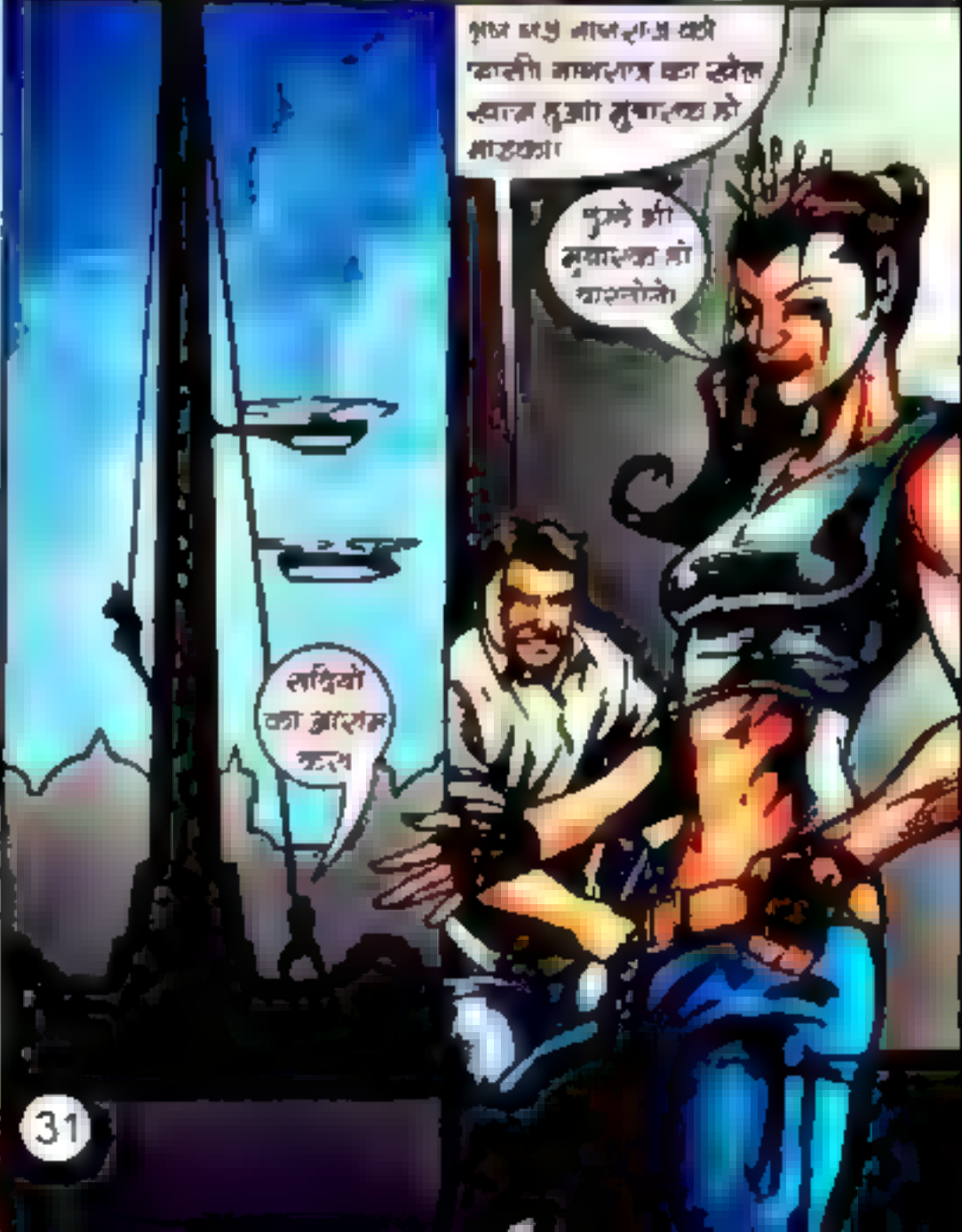
आमा
नानदण्ड आमा
स्वयं लक्ष्मी है।



सदा
करी नीति में
नो आ।



पुरी
नरस धरत जवा
है। अब फरसी पर
मनस, कर्म



भूधर धरत नानदण्ड धरती
काली नानदण्ड का खेल
स्वयं हुआ मुबारक हो
माहकता।

पुनः ही
मुबारक हो
वास्तविकता।

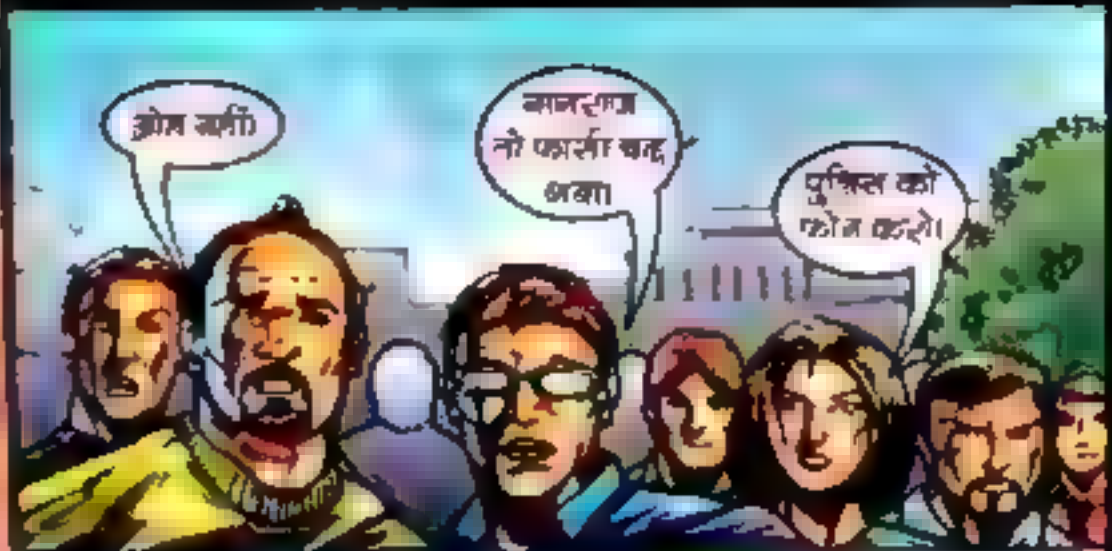
सदियों
का आरंभ
कर।

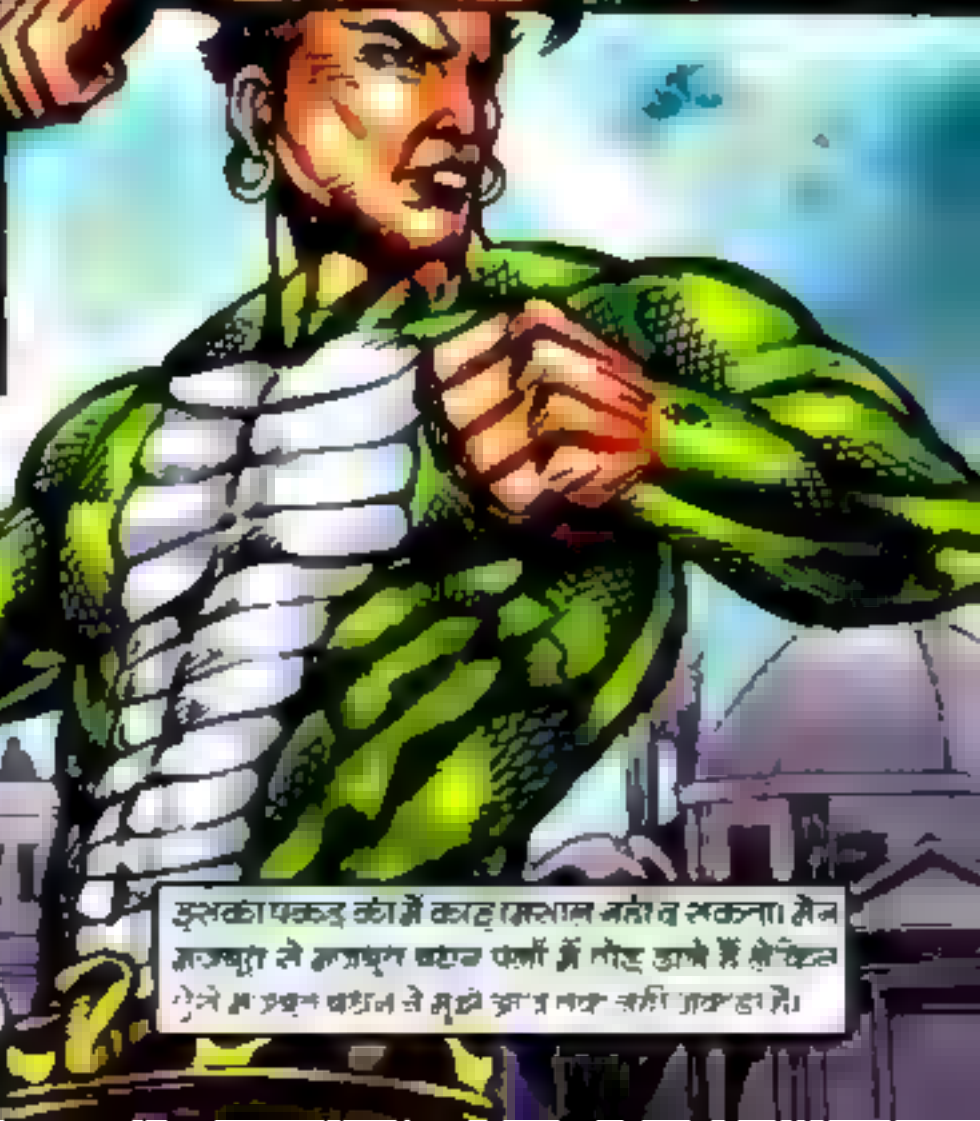
शास्त्र नहीं है इस यंत्रों की आहूत करने।

इतना कुशल हो गया है कि मोल्दोव
को पकड़ नहीं कर पा रहा।



एक घण्टा धन के लोभ से फटा होत की
नहीं लिख, ल का असमान कर रहा है।





इसका पकड़ को मैं कह रहा हूँ नहीं बल्कि नहीं हो सकता। मैं न मजबूत से मजबूत बहन पत्नी में लोड डाले हैं लेकिन ये न मजबूत बहन से मुझे आनन्द नहीं हो रहा है।

कारों लटक गये थे। सड़ने लगे अस्त्रों के अस्त्र विमानों में
धुआँधार बोलिया करता था।

और फिर भी आकाश की वादर कमल देना है। अला
हूँके इस वकाल फावर से क्या नुकसान होता है।

आ होता है क्योंकि हर एक मेरे शरीर
मे पेशवा के रक्त में कई सौ आत्माएँ।

हल्लावा

नौकल

क्या हुआ है मेरी से और
हमारी लावार में बदलती
आत्माओं को और शरीर
वादर कमल देना है?

और अब क्या उस सेंट अस्त्र बोली
से फिर से नुकसान के खप चली सो।

उस घन का निक्षण ले रहा है।

यज्ञ स्तन मंदिर पर उस पर पड़ कर उस आ मंदिर के दुकानों में जाना था।



उस ने अपना आकाश में ले जाने की कोशिश की।

नन के प्रचुर निष्ठाओं को जाने देना ही उसका लक्ष्य था।

सम्राटजी अब
महामंदिर के
द्वार पर निकलें।

उसने देखा कि वह ही कोई दुकान में जा रहा था।

तुम्हें नाकलक, घात और बलवा का ककरोन आज तक नहीं खाया है। मैं सोना खाऊँगा।

पाँच फिट का भी स्वाद चखता तेरा जिसको खून उबाल ही रहा है तेरा भूख भी खून की उबली करेगा।

उस पल भी का भावना

काल रात रात में सोने का है काल

बंद की जाई काल में है बाला का हृदय बंद उस पल में ही बाल की लो लोला।

मेरी भी है जो जिसको और जिसका हलकी पीड़ा भयानक करने है काल

हलकी पीड़ा कुछ है आज कि भावना में काल की भावना काल की काली।

जान के जाने मार है। जान के जाने जिया। जान के जाने मोल है और जान के जाने भागीर।

सुन जाहका सुन
नामराज की कहिका
कहकने की आकाश।
किलवी मसुर है।



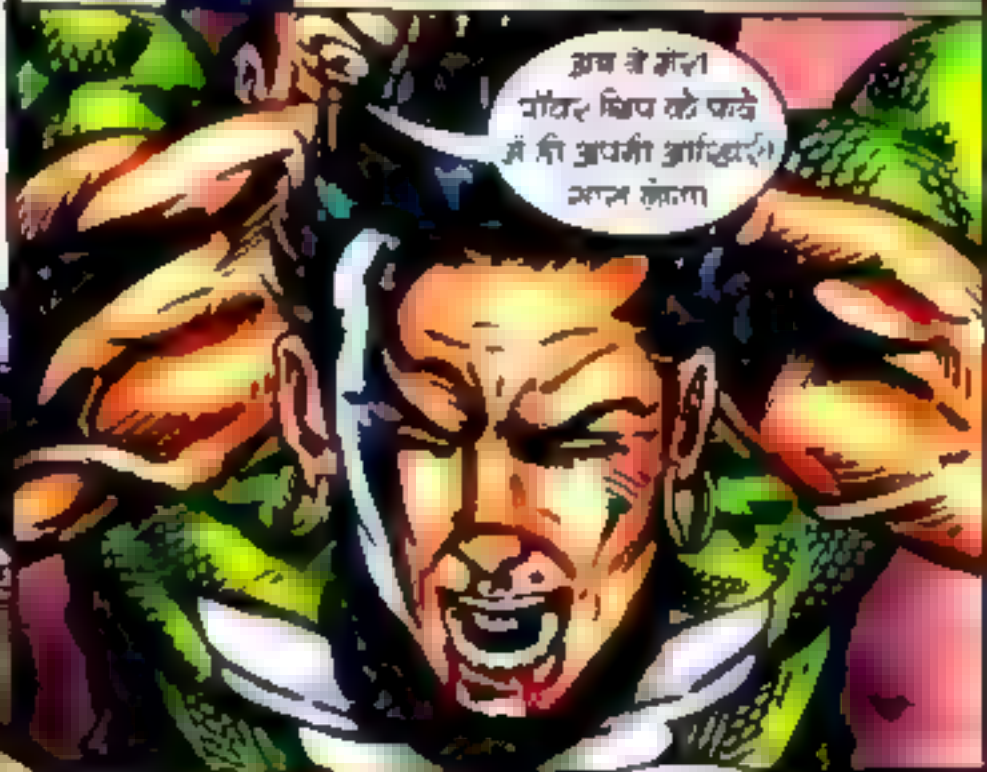
जही मरत आही मृमो। वही पीहा आककठाविनो कते पमृमानी है।

और हस्त खेल का
BBC पूरी दुनिया में
विस्तारपूर्वी है। जानना था कि
जान राज क्या आपका और
अब हम लाइव कवरज इसे
दोस्तरी मोल मारेगी।

हल स्टुटेज
को BBC पर वेल्थने को
हियु सोध अपने-अपने
ही की सेतों पर दह
पलेंगे।



अब वे मंदी।
पौर विप को फादे
में ही अपनी आखिररी।
आल होगा।



पुके
आखिररी घंटा हसक
हेतु पर मार और हल
होगा है।



बादलों ने
असंख्य रूपों में जहाँ
संसार बना।

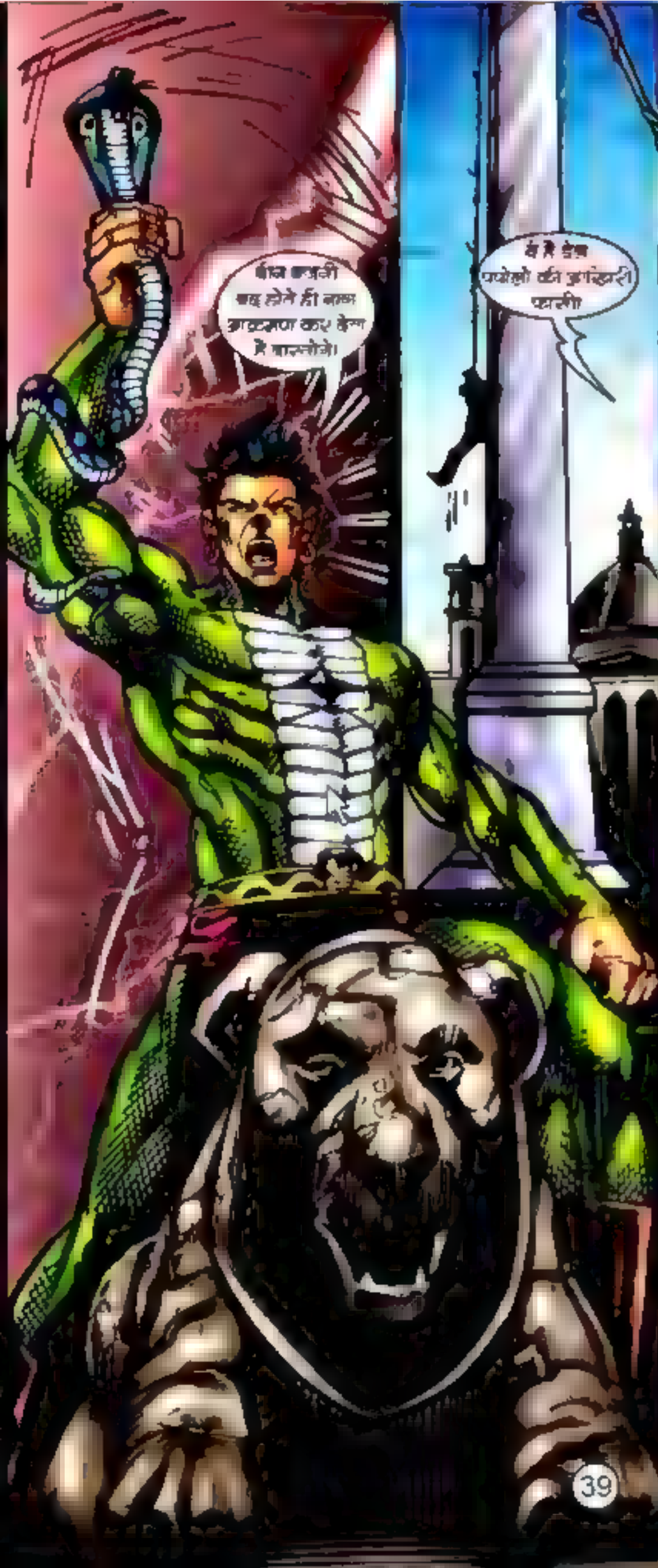
यह जहाँ
मेरी पॉवर बिप मेरी
बादलों के जहाँ।

और जो जहाँ
मेरी जल-धूलों की
असंख्यता विशालता की
मेरी जल-धूलों के बाद
बादलों की जहाँ जीवन
निर्मित हो जाती।

मेरे सभी अचूक
विज्ञान की मेरी सर्व सत्ता
के कणों में हैं।

जहाँ मैं
संसार रूप में उनके
गल भोजन था।

जब मुझे जहाँ
आता तो शोशनीयता सब
ही मैं तो सत्ता अथवा लेकिन
न ताकत के सभी में बदला
हो जाता था।



बीजे काजजी
कहू लोने ही नमन
आकलन कर केन
मे नारनोने।

वे मे देन
पयेलो कीन आरिहरी
पदारी



इसकी मा'क'य'
मरेडर कर को मकी
मे आराम प्रमद्वारा
मोडरा

BBC को उन प्रसारण में हटती प्रकाशन को बोका
करना कर दिया।

पुनः वृत्त के माझने उन निजम म्हाओ मे हटती की
अतिशयिक प्रकिया पर प्रभम विमल हमा विरा आ।
प्रेमिपट ही सवाकी को कटपारे में रखे कर दिपुकर।



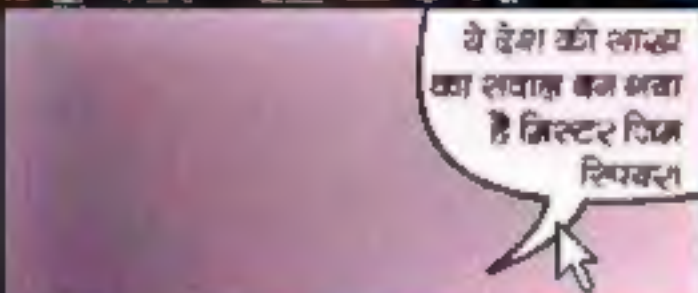
मिरेडर जिम
लिपकर माधराज को
लेकर अनरिप्टीम स्नर
मे म्हारी धू धू हो
जो मे।



सामने है।
एक एक आदमी
को जेल में बंदी
रखा जा रहा है।



नागराज को
सामने हमारा काम
लगा हुआ है।



ये देश की सभ्यता
का सवाल बन गया
है जिसके लिए
सिपाई



हमें हमारे
कैलस चाहिए।
नागराज की आदमी
ही पैनी पर



बी.बी.सी. की कटिंग के आधार
पर जिससिपाई ने मान लिया कि
नागराज जेल से बाहर निकला है।

हैं डिपेंस को नागराज को निर्दोष साबित
करने का आखिरी अवसर देना है।
उसके बाद मैं कैलस दूंगा।



नागराज
की जमानत की
जारी खासियत की
जारी है।



हैक
जोर ऑनर मैं वे कलना
चाहती हूँ कि नागराज
किसी को जोड़ी से नहीं जारता
को सांपों का जार का प्रयोग
करता है। नागराज ने कोपों
रैलटो को नहीं जारा है।

ऑनरेकशन
जोर ऑनर।

इसीसिपु लो
नागराज ने ऐसा कहना उठाया
ताकि अकाली कार्यवाही में
इसी मुद्दे को आधार बनाकर
खुद को निर्दोष साबित
करवा सके।

ओकिडेकशन
सर्जेंट।

योर ऑनर? मेरे पास एक चमत्कील
बयान है जो मे साबित करने के लिए
क्या है कि नागराज ने ऐंजेलो
पर जोली नहीं चलाई।

और वो बयान है ऐंजेलो
इसतरा अपनी सिता।

जिस्तर अपनी
सिता रोड में नागराज ने
आपकी टैक्सी को मार दिया
हुआ था। आपने घटनास्थल
पर क्या किया?

और ऑनर!
नागराज कह रहा था कि
कोपी ऐंजेलो सरेंडर करने
वाला है। मैं उस ऐंजेलो
पहुंचा तो...

...मैंने देखा कि नागराज को
साथ में पिस्तौल है और वो कोपी ऐंजेलो
पर जोली चला रहा है। नागराज ने
कोपी ऐंजेलो की मदद की है
योर ऑनर।

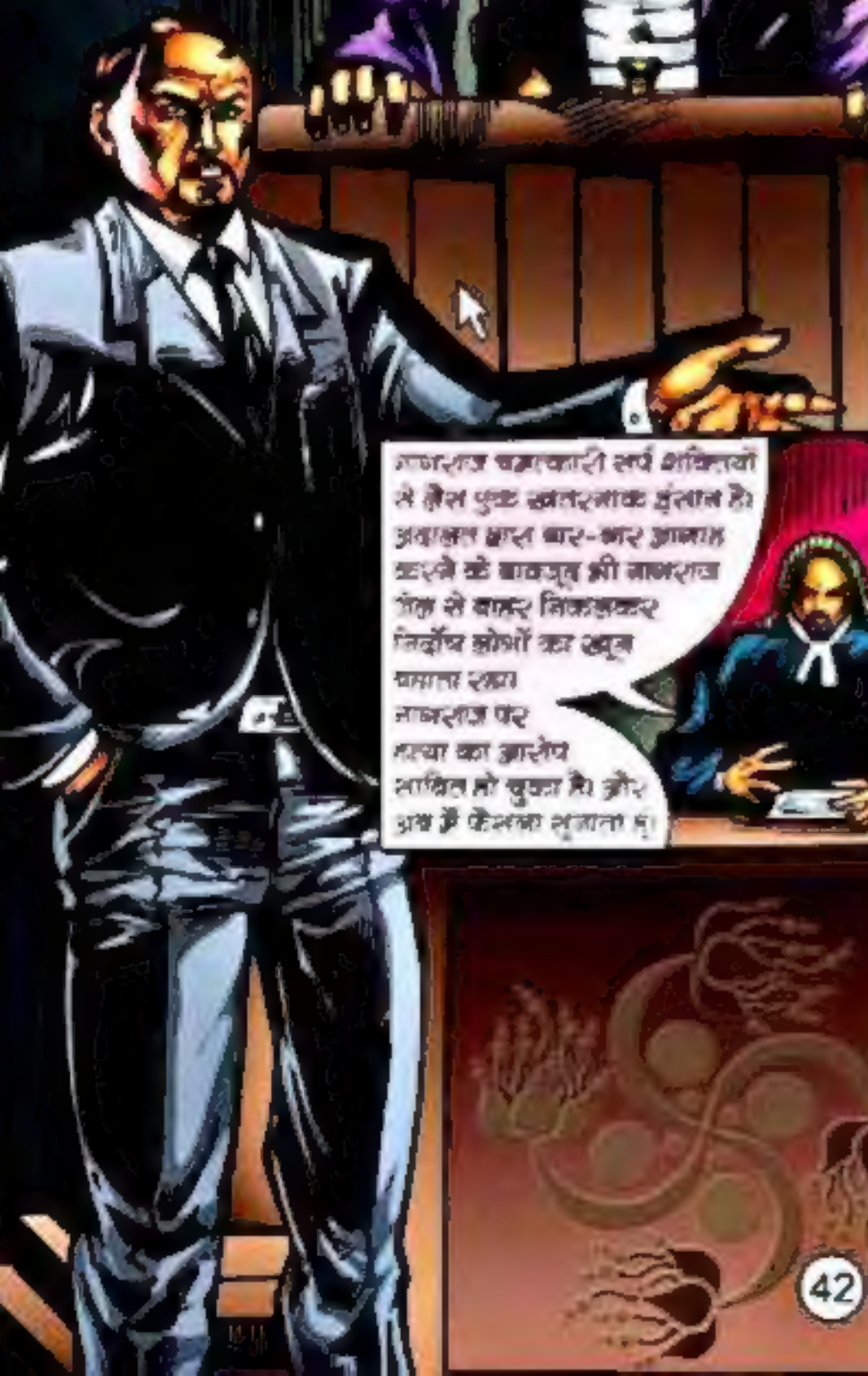
अपनी
सिता। वे...वे क्या
कहा रहे तो?

ओकिडेकशन
योर ऑनर।

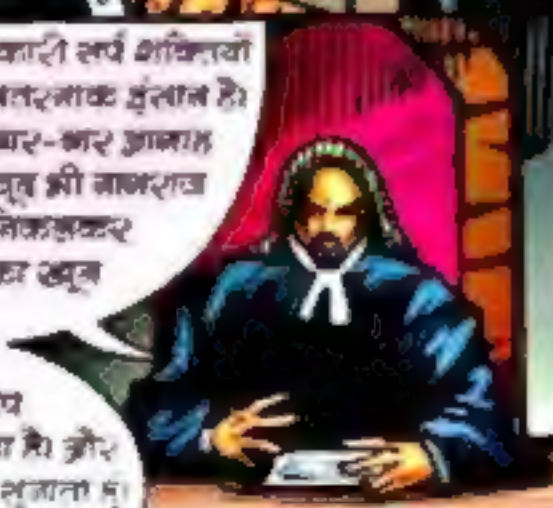
किरॉस का
अपना अहम् बरदाश ही
उस सच बयान कर रहा है तो
इस कंस में अब कुछ बाकी नहीं
रह जाता। सबित हो चुका है कि
नामराज मरचारा है। अब इस मरचारे
को और ना लटकाना जायु और
गौजर बलिक नामराज को उसको
इस जुनाह के डिपु फांसी
पर लटकाया जायु।

मैं मार-धरूं। मैं मार-धरूं।

नहीं। नहीं। एक? ये नहीं हो सकता।



नामराज मरचारादी सर्व अधिकारों
से लैस पुके स्वतन्त्रताक मुताब हो
अवकाश प्राप्त बार-बार आना
करने के बावजूद भी नामराज
पेक से बाहर निकलकर
निर्दोष लोगों का खून
पसारा रहा।
नामराज पर
मर्या का आरोप
सबित हो चुका है और
अब मैं किरॉस सुनाता हूँ।



किरॉस का खोला अपने खिलाड़ी
भी इस खेल में विपक्षी बन जाते हैं।

काल ही आँख ब्रिचोली

नामराज को फांसी होनी वा नामराज कदेना-

पांचवां शिकार

सबसे निर्मम

पाँचवाँ शिकार

इस वर्ष इन स्टूडियो में दू से बहुत से नए धमाके किए जा रहे हैं किंतु सबसे अनोखा धमाका है 'राज 20'। 'राज 20' के पहले सेट में नगराज के चार सह किरदार- महात्मा कालदूत, विसर्पी, सौदागी और पंचनग को सानदार कॉमिक्स आ रही हैं। यह कॉमिक्स 20 पेज की होंगी और अपने आप में सम्पूर्ण कहानी होगी। सभी कहानियाँ बहुत ही रोचक व रोमांचक हैं जो आपको कल्पनाशक्तों को अद्भुत सैर करवाएंगी। इन चारों कहानियों के लेखक हैं विवेक मोहन जी। कॉमिक्स हैं क्रमशः- 'मिलन नाभिनी', 'नागम्होति', 'अभूत प्रेम', 'पंचनग'। हमारी कोशिश रहेगी कि इन प्रीप्रेशनकारों में 'राज 20' की 12 कॉमिक्स अवश्य प्रकाशित हो सकें।

इन कॉमिक्स की शुरुआत आपको ये रहा है। 'मिलन नाभिनी'- कालकूट विषधरक महात्मा कालदूत नगद्वीप का अद्वितीय अमर नागखेड़ा जिसके तीन शरीर हैं। किंतु कभी वो विभक्त हो जाती हैं से एक नाग खेड़ा महाविष्णु जोकि नगलोक के नाग सम्राट महाज्वाल को चक्रवर्ती सम्राट बनाने के लिए कृत संकल्प था। नाग सम्राट महाज्वाल को चक्रवर्ती सम्राट बनाने के पश्चात् वो पहुंचा अपनी प्रेयसी सर्पगंधा से मिलने। वो थी मिलन नाभिनी नाग प्रेमियों के मिलन की रात्रि। किंतु उसी समय नगलोक पर आ गया एक भयानक संकट और महाविष्णु को नगलोक की रक्षा करना पड़ा एक अद्भुत बलिदान जोकि उसके जीवन का नम गम्य महाअभियान। 'नागम्होति'- नगराज से नगराज विसर्पी नगद्वीप से उसके बाढ़ों को भी मिटा डालना चाहती है। ऐसे समय में नगद्वीप पर आक्रमण करता है अंधक जो नगद्वीप से नगम्होति ले जाना चाहता है। इसी समय नगद्वीप पर होता है सैरर आक्रमण। नगराज कोचरक नगद्वीप का खजाना और नाग वीरगंगा विसर्पी का डरान करने पहुंच जाता है। अब बिना नगराज के नगद्वीप की रक्षा कैसे करेगी विसर्पी तब जबकि सभी नगद्वीप वाली नागम्होति के बासी हो जाने के कारण खो चुके हैं अपने नव ज्योति। 'अभूत प्रेम'- विरामियों को उनके को निज से जाता है निमंत्रण। वो नगराज से फिर लेकर जाती है मिस और वहां रहस्यमयी विरामियों की दुनिया में उसका सम्पर्क होता है अपने भुलकाल से जहां खोया हुआ है उसका अभूत प्रेम। वही प्रेम जिसने सौदागी के विषय पर सज दिव्य से करे। 'पंचनग'- नागजून, सिलनग, नगराज, नगद्वीप, सर्पराज क्या है ये महा नागखेड़ा? कहाँ से आए ये नगद्वीप पर? क्यों करते हैं ये नगद्वीप के राज सिंहासन की रक्षा? एक रहस्य से घेरा उल्ला और नगर आगने बलिदान और कलम को एक अनूरी कथा।

अंत में मैं राज कॉमिक्स के सभी प्रशंसक मित्रों से अनुरोध करता हूँ कि राज कॉमिक्स वेबसाइट पर अवश्य आएँ जहाँ आपको कई-कई सुनवाई के अलावा मुफ्त E-Comics भी पढ़ने को मिलेंगी। राज कॉमिक्स फोरम पर आप अपने विचार भी रख सकते हैं और नए राज कॉमिक्स प्रेमी दोस्त भी बना सकते हैं। जिन पाठकों को राज कॉमिक्स खरीदने में परेशानी आती है वो राज कॉमिक्स वेबसाइट के ऑन लाइन स्टोर से डिस्कवरी में कॉमिक्स भी मांग सकते हैं। अब आगामी तीन सेट्स की सूची आपको दे रहा हूँ।

सेट 1

पाँचवाँ शिकार (नगराज)
स्पीड X (डोंग)
प्रेम प्रतीक (कोबी-पेड़िया)
आरंभ (खेड़ा)
प्रथम भोकास (भोकास)
रक्त पिपासु (छिल हरिर)
देवी पूछ (बाँकेलाल)

सेट 2

26/11 (नगराज और डोंग)
स्पीड डेकर (डोंग)
प्रेम सन (कोबी-पेड़िया)
सूर्यास (खेड़ा)
परी जन्म (भोकास)
पैतुड़ा (छिल हरिर)
बलि का बकरा (बाँकेलाल)
गहरी बात (फाइटर टोड्स)

सेट 3

हल्ता बोल (नगराज और डोंग)
बाँचा (डोंग)
प्रेम अनु (कोबी-पेड़िया)
सृष्टि (खेड़ा)
रंग बुद्ध (भोकास)
पाँच सी फंदे (छिल हरिर)
दूध पास (बाँकेलाल)

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : तीन पेज नं. 290, राज पॉकेट बुक्स, 330/11, कुराड़ी, दिल्ली-84

Forum पर अपनी पोस्ट आप www.rajcomics.com पर करें।

वनूत।

धन्यवाद

आपका-संजय गुप्ता
GREEN PAGE NO. 290